www.naidunia.com

नईदुनिया

ग्वालियर, इंदौर, भोपाल (नवदुनिया), जबलपुर, रायपुर, बिलासपुर और दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय संस्करण)से एकसाथ प्रकाशित

आज के अंक के साथ

युवाओं के हौंसलों के सामने मुसीबतों ने भी टेक दिए घुटने

(मनीष शाक्य, अमित मिश्रा) ग्वालियर। अगर इरादे मजबूत हों और हौंसले बुलंद तो मुसीबतें खुद अपना रास्ता बदल लेती हैं। इस बात को अमलीजामा पहनाया है हमारे शहर के साधारण से दिखने वाले असाधारण लोगों ने। आज ये समाज के लिए प्रेरणास्रोत बन गए हैं। यहां हम जिक्र कर रहें हैं बीएसएफ के असिस्टेंट कमांडेंट संदीप मिश्रा और सरिता सोनी का। संदीप ने उग्रवादियों के लड़ते-लड़ते अपनी दोनों आंखों गवां दीं, इसके बावजूद वे जवानों को कम्प्यूटर ट्रेनिंग दे रहे हैं। सरिता सोनी ने लड़की होते हुए कभी अपने मां-बाप को परिवार में बेटा न होने का अहसास नहीं होने दिया। सरिता, अपने अभिनय के हुनर से समाज में बेटियों को पहचान दिलाने के लिए काम कर रही हैं।

दोनों आंखें गंवाईं अब सिखा रहे हैं कम्प्यूटर

बीएसएफ के असिस्टेंट कमांडेंट संदीप मिश्रा को चौदह वर्ष पहले उग्रवादियों से लड़ते समय अपनी आंखें गंवाना पड़ी थी, फिर भी उन्होंने हौसला नहीं टूटने दिया और घटना के तीन महीने बाद ही नए सिरे से जिन्दगी शुरू की। घटना के बाद से अभी तक वह एक हजार से अधिक बीएसएफ जवानों को कंप्यूटर ट्रेनिंग दे चुके हैं। 13 दिसंबर 2000 में असम के तिनसुकिया जिले में उग्रवादियों ने आर्मी पर हमला कर दिया। मुठभेड़ में असिस्टेंट कमाण्डेंट संदीप को पांच गोलियां लगी। जिसमें से एक गोली दोनों आंखों को छूती हुई निकल गई। घटना के बाद से ही संदीप की आंखों की रोशनी चली गई। वह बीएसएफ अकादमी टेकनपुर में कंप्यूटर सेंटर के इंचार्ज हैं और लगभग एक हजार जवानों को कंप्यूटर ट्रेनिंग दे चुके हैं।

दृष्टिहीन जवानों को जीना सिखाया

आतंकवादी, उग्रवादियों से मुठभेड़ के दौरान विकलांग और दृष्टिहीन हुए ऐसे करीब डेढ़ सौ जवानों को संदीप ने जीना सिखाया, जो हादसे के चलते काफी तनाव में रहने लगे थे और जीवन को काफी नीरस बना लिया था। इन लोगों को भी संदीप ने कंप्यूटर ट्रेनिंग दी।

बेटा बनकर संभाली परिवार की जिम्मेदारी

दर्पण कॉलोनी में रहने वाले भगवत सोनी और श्यामला देवी की आठ बेटियां हैं। हाल ही में उनके सिर से छत भी जाती रही। मुसीबत की इस घड़ी में हर पिता चाहता है कि उसका होता हो, जो उसे और पूरे परिवार को इस परेशानी से बाहर निकाल लेगा। भगवत सोनी की सिर्फ यही नहीं बल्कि अब तक की सभी छोटी-बड़ी परेशानियों से बाहर निकाला है उनकी बेटी सरिता ने। सरिता ने माधव संगीत महाविद्यालय से एमए किया और अभी वे एक एनजीओ से जुड़कर कन्या भ्रूण हत्या के प्रति अलख जगाने में जुटी हैं। सरिता ने अपने अभिनय के बूते ही अपनी 4 बहन संगीता, चेतना, प्रिया और कोमल की शादी कर दी। सरिता के साथ उसकी छोटी बहन सीमा भी कदम से कदम मिलाकर अपनी बहन की मदद कर रही है।

मकान टूटा, लेकिन हौसला नहीं

31 मई 2014 को सरिता के घर पर आंधी तूफान में घर से सटी दीवार गिर पड़ी। इससे मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इसमें सरिता की बहन कोमल का पैर भी फ्रेक्चर हो गया। सरिता अब पास में ही किराए के मकान में रह रही हैं। उसके साथी टूटे मकान को फिर से बनाने के प्रयास में जुट गए हैं।